

| आदेश की क्रम सं० और तारीख 1 | आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर 2 | आदेश पर कारवाई के ब. टिप्पणी, तारीख सहित 3 |
|--------------------------------|-------------------------------------|---|
|--------------------------------|-------------------------------------|---|

26.2.18

अभिलेख उपस्थापित। (बांय-उत्त्रिवेदन अकाश)
 उक्त वाद में पक्षगत किंग्र लम्बे समय
 से कोर अगिरुची नहीं ले रहे हैं
 अतः वाद की कार्रवाई समाप्त
 की जाती है।

शु० सु० अ.स.स.स.स.
 नगा (उत्तर)